



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 399]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 20, 2010/आषाढ़ 29, 1932

No. 399]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 20, 2010/ASADHA 29, 1932

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 2010

सं. 45/2010-सेवाकर

सा.का.नि. 607(अ).—चूंकि, केन्द्रीय सरकार, इस बात से संतुष्ट है कि वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 66 (जिसे इसके बाद वित्त अधिनियम कहा गया है) के अंतर्गत विद्युत पारेषण एवं वितरण की सभी कराधेय सेवाओं पर सामान्यतः सेवाकर वसूलने की प्रथा (कर न देने की प्रथा सहित) प्रचलित थी, जो किसी व्यक्ति द्वारा (जिसे इसके बाद सेवा प्रदाता कहा गया है) किसी अन्य व्यक्ति को (जिसे इसके बाद सेवा प्राप्तकर्ता कहा गया है) बिना सेवा-कर वसूल किए दी जा रही थी, और यह कि ऐसी सभी सेवाओं के कराधेय सेवा होने के कारण उक्त वित्त अधिनियम के अंतर्गत सेवाकर के योग्य थी, जिसे कथित प्रथा के कारण, विद्युत पारेषण के लिए 26 फरवरी, 2010 तक तथा विद्युत वितरण के लिए 21 जून, 2010 तक की अवधि के दौरान वसूला नहीं जा रहा था;

अतः, अब, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11सी के साथ पठनीय उक्त वित्त अधिनियम की धारा 83 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार यह निर्देश देती है कि उपर्युक्त अवधि के दौरान विद्युत पारेषण एवं वितरण की उक्त कराधेय सेवा, जो कि सेवा प्रदाता द्वारा सेवा प्राप्तकर्ता को कथित प्रथा के तहत बिना सेवाकर वसूल किए दी जा रही थी, पर सेवाकर अदा करने की जरूरत नहीं होगी।

[फा. सं. 356/13/2010-टीआरयू]

प्रशान्त कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th July, 2010

No. 45/2010-Service Tax

G.S.R. 607(E).—Whereas, the Central Government is satisfied that a practice was generally prevalent regarding levy of service tax (including non-levy thereof), under Section 66 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (hereinafter referred to as 'the Finance Act'), on all taxable services relating to transmission and distribution of electricity provided by a person (hereinafter called 'the service provider') to any other person (hereinafter called 'the service receiver'), and that all such services were liable to service tax under the said Finance Act, which were not being levied according to the said practice during the period up to 26th day of February, 2010 for all taxable services relating to transmission of electricity, and the period up to 21st day of June, 2010 for all taxable services relating to distribution of electricity;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), read with Section 83 of the said Finance Act, the Central Government hereby directs that the service tax payable on said taxable services relating to transmission and distribution of electricity provided by the service provider to the service receiver, which was not being levied in accordance with the said practice, shall not be required to be paid in respect of the said taxable services relating to transmission and distribution of electricity during the aforesaid period.

[F. No. 356/13/2010-TRU]

PRASHANT KUMAR, Under Secy.